



Sanchay

08 Aug 1976

12:30 PM

Bhiwani

Model: web-freelalkitab

Order No: 121573003

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 08/08/1976
दिन _____: रविवार
जन्म समय _____: 12:30:00 घंटे
इष्ट _____: 16:39:09 घटी
स्थान _____: Bhiwani
राज्य _____: Haryana
देश _____: India

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

अक्षांश _____: 28:50:00 उत्तर
रेखांश _____: 76:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:25:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 12:04:40 घंटे
वेलान्तर _____: -00:05:35 घंटे
साम्पातिक काल _____: 09:12:19 घंटे
सूर्योदय _____: 05:50:20 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:11:04 घंटे
दिनमान _____: 13:20:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 22:19:09 कर्क
लग्न के अंश _____: 18:16:39 तुला

चैत्रादि संवत / शक _____: 2033 / 1898
मास _____: श्रावण
पक्ष _____: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि _____: 13
तिथि समाप्ति काल _____: 06:27:16
जन्म तिथि _____: 14
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: उत्तराषाढ़ा
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 27:48:42 घंटे
जन्म नक्षत्र _____: उत्तराषाढ़ा
सूर्योदय कालीन योग _____: प्रीति
योग समाप्ति काल _____: 17:18:14 घंटे
जन्म योग _____: प्रीति
सूर्योदय कालीन करण _____: तैतिल
करण समाप्ति काल _____: 06:27:16 घंटे
जन्म करण _____: गर
भयात _____: 21:23:07
भभोग _____: 59:39:52
भोग्य दशा काल _____: सूर्य 3 वर्ष 10 मा 1 रि

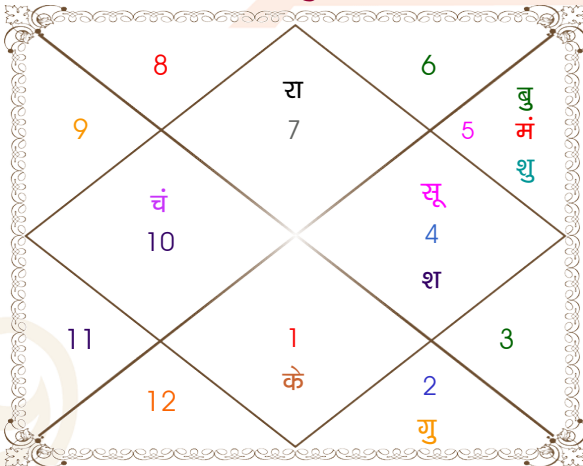
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	तुला	18:16:39	---	--	--	--	नेक
सूर्य	कर्क	22:19:09	मित्र राशि	हाँ	--	--	मन्दा
चन्द्र	मकर	01:28:11	सम राशि	--	--	--	नेक
मंगल	सिंह	26:21:33	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
बुध	सिंह	13:51:39	मित्र राशि	--	--	--	नेक
गुरु	वृष	04:51:21	शत्रु राशि	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	सिंह	06:23:05	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
शनि	कर्क	14:16:07	शत्रु राशि	हाँ	--	--	मन्दा
राहु	व तुला	13:49:50	मित्र राशि	--	--	--	नेक
केतु	व मेष	13:49:50	मित्र राशि	--	--	--	नेक

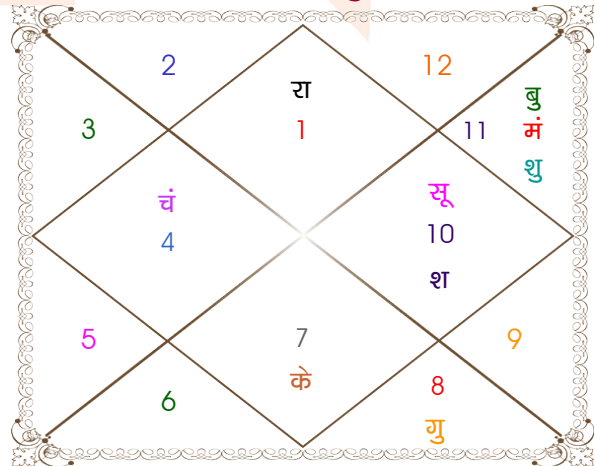
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	हाँ	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	हाँ	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सूर्य दसवें खाने में बैठा है। इसकी वजह से आप किसी संस्था के प्रधान, जज, सरपंच, नेता भी हो सकते हैं। आप किसी से धोखा-फरेब नहीं करेंगे। सरकारी विभाग, नौकरी-व्यापार में धन-लाभ, मान-सम्मान मिलेगा। नौकर-चाकरों का अच्छा सुख मिलेगा। राज्य पक्ष से लाभान्वित होंगे। आप बहुत वहम करेंगे। संतान पक्ष कमजोर रहेगा। 19 वर्ष की उम्र के लगभग पिता से दूर होना पड़ सकता है। आपको इज्जत, सेहत और दौलत का सुख मिलेगा। परिवार में कोई व्यक्ति उच्चपद पर संस्था प्रधान या सरकार द्वारा सम्मानित होगा।

यदि आपके मकान का मुख्य दरवाजा पश्चिम दिशा में हुआ, नंगा सिर रखने की आदत रही, अपना भेद दूसरों को बताया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से 34 वर्ष की आयु तक का समय कष्टमय रहेगा। आप मशीनरी या लकड़ी से संबंधित नौकरी-व्यापार करेंगे तो हानि होगी। खानदानी विरासत और पिता का सुख कम मिलेगा। लकड़ी, लोहा, भैंसों से संबंधित व्यापार या काली चीजों के व्यापार से नुकसान होगा। आपके घुटने में दर्द हो सकता है। आपकी आंखों की नजर और उम्र पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ससुराल में रहना ससुराल पक्ष वालों के साथ कोयले, बिजली का धंधा करने से हानि होगी। सत्ता से परेशानियां भी रहेंगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अपना भेद किसी को भी न देवें।
2. सूर्य की रोशनी नंगे सिर पर न पड़े।

उपाय :

1. सिर पर सफेद या शरबती पगड़ी या टोपी पहनें।
2. बुजुर्गी मकान में हैंड पंप लगावें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा चौथे घर में है। आपका भाग्य जागेगा। आपको जमीन, जायदाद, भवन और वाहन का उम्दा सुख मिलेगा। पैतृक कारोबार से लाभ होगा। आपको कपड़े के व्यवसाय से लाभ होगा। आपको माता-पिता का पूर्ण सुख मिलेगा। बुढ़ापा सुखपूर्वक गुजरेगा। पैतृक संपत्ति अवश्य प्राप्त होगी। सरकारी खर्च से विदेश की यात्रा करेंगे। आपके पास धन का दरिया होगा जितना खर्च करोगे उतना ही धन बढ़ेगा। माता और लोगों की सेवा करने से माया का दरिया समुद्र बन जाएगा। आपकी उम्र लंबी होगी आपके पास कोई व्यक्ति अमानत रखे तो लेने के लिए वापस नहीं आएगा। पुत्र पैदा होने के बाद आपकी हालत

अच्छी हो जाएगी। आप सरकारी नौकरी या सरकारी ठेकेदारी करेंगे तो दौलत अच्छी मिलेगी। समुद्री सफरों में भी लाभ प्राप्त होगा। माता व पत्नी दोनों से सहयोग प्राप्त होगा। आप राजसी ठाठ भोगेंगे। आपको बुजुर्गों का व्यापार बदलना हानिकारक होगा। आप न्यायमूर्ति या जज भी हो सकते हैं। अच्छे सलाहकार साबित होंगे और आप अपना कोई भी कार्य करने से पहले किसी की सलाह जरूर लेवें। यह आपके परिवार के लिए हानिकारक है।

यदि आपने दूध-पानी बेचने का काम किया, माता या बूढ़ी स्त्री से झगड़ा किया, दादा-पिता के समय का कारोबार बदला, घर आये मेहमान की सेवा न की तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से यदि आप माता को कष्ट देंगे और उनका विरोध करेंगे तो धन की खराबी और मन की शान्ति भंग होगी। बुजुर्गों की संपत्ति नष्ट होगी। आप किसी का एहसान नहीं मानोगे, माता को कष्ट देना या उसका विरोध करने से, वाहन दुर्घटना का भय रहेगा। यदि आप बुजुर्गों का व्यापार बदलेंगे तो हानि होगी, दूध का बेचना या डेयरी फार्म के काम में हानि होगी और संतान सुख न होगा। मेहमानों की सेवा करने की बजाए उनसे कुछ धन व समान की आशा रखेंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. माता का विरोध न करें।
2. दूध-पानी मोल न बेचें।

उपाय :

1. शुभ कार्य शुरु करते या जाते समय पानी या दूध का कुंभ रखें।
2. घर में आये मेहमानों को दूध या मीठा पानी जरूर पिलायें।